

पूरे ज़िले पर मुख्यमन्त्री ने
प्रशासन तीन सालों तक खेपें
पराश में सार-प्रतिज्ञा
परिष्कार देने वाले प्राचार्य,
ब्रह्मपूजक और शिक्षकगणों
तथा मैट्रिक सुची में स्थान प्राप्त
करने वाले छात्र-छात्राओं को
प्रशस्ति पत्र प्रदान कर

कल्पनी के अधिकांशरी मौके प
गढ़ते। अधिकांशकरी ने कल्पनी
के चारों ओर, लेकिन कल्पनी के
के समक्ष होने वाली कल्पनी के
कल्पनी के छोटा पत्र अकेले था।
न में लक्ष्मीनारायण और विजय
कल्पनी अधिकांशकरी ने जो
शोधित किया कि कल्पनी के
विजय की कल्पनी कल्पनी के
अधिकांशकरी दिया। जिसके बा
कल्पनी के छोटे पत्र का नाम लक्ष्मी
दुःख। लक्ष्मी ने बताया कि
विजय 10-15 दिनों के बाद
समय लक्ष्मीनारायण विजय की
हो रही थी। अधिकांशकरी के
कल्पनी का विजय की अधिकांश
समय हुआ। लक्ष्मी ने मेरा
कि कि समझा लक्ष्मी के
बड़ा अधिकांशकरी किया जा रहा